Ans. (d) : स्वतंत्रता संग्राम के दौरान काली बाई जेल नहीं गयी। अंजना देवी बिजौलिया आंदोलन से संबंद्ध रही और जेल गयी। नारायणी देवी ने महिला सशक्तिकरण पर कार्य किया। कालीबाई, पुलिस की गोली से शहीद हो गयी जब वह अपने शिक्षक को बचा रही थी। शिक्षक सेगा भाई एवं नानाभाई खांट को पुलिस द्वारा बुरी तरह मारा गया।

652. पृथ्वीराज राठौड़ द्वारा रचित पुस्तक 'वेलि कृष्ण रूखमणी री' किस भाषा में खिली गई है?

(a) पिंगल (b) डिंगल
(c) मारवाड़ी (d) संस्कृत

RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2015

Ans. (b) : पृथ्वीराज राठोड़ द्वारा रचित पुस्तक 'वेलि कृष्ण रूखमणी री' डिंगल भाषा में लिखी गयी है राजस्थान का अधिकांश साहित्य डिंगल भाषा शैली में लिखा गया हैं डिंगल शैली की अन्य रचनाएं बीसलदेव रासों, हम्मीर रासों, खुमाण रासो, सूरज प्रकाश इत्यादि है।

653. जून 1941 में अलवर राज्य प्रजा मण्डल द्वारा आयोजित जागीर-माफी प्रजा सम्मेलन राजगढ़ का उद्घाटन किसने किया?

(a) श्री सत्यदेव विद्यालंकार (b) हरि नारायण शर्मा
(c) काशीराम गुप्ता (d) मास्टर भोलानाथ

सेकेण्ड ग्रेड-संस्कृत शिक्षा-17-02-2019

Ans. (a) : अलवर प्रजा+मण्डल की स्थापना वर्ष 1938 में पंडित हरिनारायण शर्मा और कुंजविहारी लाल मोदी द्वारा किया गया था। जून, 1941 में अलवर राज्य प्रजा+मण्डल द्वारा आयोजित जागीर-माफी प्रजा सम्मेलन राजगढ़ (अलवर) का उद्घाटन श्री सत्यदेव विद्यालंकार ने किया था।

654. विजयसिंह पथिक से सम्बन्धित निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

(a) रास बिहारी बोस के क्रान्तिकारी दल से सम्बन्धित थे।
(b) इन्होंने विद्या प्रचारणी सभा स्थापित की।
(c) इन्होंने सेवा समिति की स्थापना की।
(d) साधु सीताराम दास के साथ मिलकर एक अखाड़ा स्थापित किया।

उपर्युक्त में से कौन सा सही है?

(a) (A),(B) (b) (A), (C)
(c) (A), (B),(C) (d) (A),(B),(C),(D)

सेकेण्ड ग्रेड-संस्कृत शिक्षा-17-02-2019

Ans. (d) : विजय सिंह पथिक रासविहारी बोस के क्रांतिकारी दल से संबंधित थे। उन्होंने वर्ष 1915 में विद्या प्रचारणी सभा स्थापित की थी तथा सेवा समिति की स्थापना की थी। विजय सिंह पथिक साधु सीताराम दास के साथ मिलकर एक अखाड़ा भी स्थापित किया था। विजयसिंह पथिक बिजौलिया आंदोलन से भी जुड़े थे।

655. बिजौलिया किसान आन्दोलन के दौरान प्रवर्तित 'विद्या प्रचारिणी सभा' के प्रवर्तक थे-

(a) रामनारायण चौधरी
(b) विजयसिंह पथिक
(c) मणिक्यलाल वर्मा
(d) जमना लाल बजाज

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (b) – उपरोक्त प्रश्न की व्याख्या–

656. किस व्यक्ति के कहने पर विजयसिंह पथिक राजस्थान में क्रांति का आयोजन करने के लिए खरवा ठाकुर गोपालसिंह के पास आए?

(a) रासबिहारी बोस (b) शचीन्द्र सान्याल
(c) साधु सीताराम दास (d) केसरीसिंह बारहठ

प्राध्यापक (Gen. Awareness & Gen. Studies)-2018

Ans. (a) : प्रसिद्ध क्रांतिकारी रासबिहारी बोस के कहने पर विजय सिंह पथिक राजस्थान में क्रांति का आयोजन करने के लिए खरवा ठाकुर गोपाल सिंह के पास आये थे। पथिक एक महान देशभक्त और स्वतन्त्रता सेनानी थे। इन्होंने राजस्थान में बिजौलिया किसान आन्दोलन का नेतृत्व किया था तथा असहयोग आन्दोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी।

657. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये:

(i) डाबरा काण्ड
(ii) नीमूचना काण्ड
(iii) चण्डावल काण्ड
(iv) मानगढ़ पहाड़ी हत्याकाण्ड

इस घटनाओं का सही कालानुक्रम क्या है?

(a) (i), (ii), (iv), (iii) (b) (i), (ii), (iii), (iv)
(c) (iv), (ii), (iii), (i) (d) (iii), (i), (iv), (ii)

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (c) : सही सुमेलन है
(i) मानगढ़ पहाड़ी हत्याकाण्ड- 17 नवम्बर, 1913
(ii) नीमूचाणा काण्ड- 14 मई, 1925
(iii) चण्डावल काण्ड-28 मार्च, 1942
(iv) डाबरा काण्ड-13 मार्च, 1947

658. निम्नलिखित सूची में से उन नेताओं को चुनिए जिन्होनें बिजौलिया किसान आंदोलन में भाग लिया:

(i) साधू सीताराम दास (ii) विजयसिंह पथिक
(iii) माणिक्य लाल वर्मा (iv) नारायणजी पटेल

कूट :

(a) i और ii (b) ii, iii और iii
(c) i, ii और iv (d) i, ii, iii और iv

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (d) : बिजौलिया किसान आंदोलन भारत का प्रथम कृषक आंदोलन था, जो 19वीं शताब्दी के अंत में राजस्थान में प्रारम्भ हुआ और लगभग 1941ई0 तक चलता रहा। इस आन्दोलन में साधू सीताराम दास, विजयसिंह पथिक, माणिक्य लाल वर्मा, राम नारायण चौधरी, नारायण जी पटेल आदि लोगों ने भाग लिया था।

659. किस राज्य के प्रजामण्डल ने 1936 ई. में 'कृष्णा दिवस' मनाया?

(a) उदयपुर (b) कोटा
(c) करौली (d) जोधपुर

RPSC College Lecturer 31-10-2018

Ans. (d) : जोधपुर प्रजामण्डल ने 1936 ई. में 'कृष्णा दिवस' मनाया। जोधपुर प्रजामण्डल के निर्माण की प्रक्रिया का प्रारंभ जयनारायण व्यास द्वारा 1918ई. में किया गया। जयनारायण व्यास को मारवाड़ में राजनीतिक चेतना का जनक माना जाता है। जोधपुर प्रजामण्डल का नया नाम मारवाड़ लोक परिषद् किया गया। भरतपुर प्रजामण्डल की स्थापना गोपी लाल यादव ने की थी।